**प्रधान मंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) :** आदरणीय अध्यक्ष महोदया जी, सदन में और देश में जो आक्रोश है, उस आक्रोश में मैं भी मेरा स्वर मिलाता हूँ। यह देश अलगाववाद के मुद्दे पर, आतंकवाद के मुद्दे पर दलबन्दी के आधार पर न पहले सोचता था, न आज सोचता है, न आगे सोचेगा। सदन भी एक स्वर से इस प्रकार की किसी भी हरकत के प्रति अपना आक्रोश भी व्यक्त करे, जो आज किया है और मैं इस सदन को और देश को विश्वास दिलाता हूँ कि सरकार बनने के बाद जो कुछ भी गतिविधियाँ हो रही हैं, न वे भारत सरकार से मशविरा करके हो रही हैं, न भारत सरकार को जानकारी देकर हो रही हैं और इसलिए...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Let him complete.

... (*Interruptions*)

**श्री एम. वैंकैय्या नायडू :** आपको जवाब नहीं चाहिए तो ठीक है, छोड़ दीजिए।...(व्यवधान) इतनी भी मर्यादा नहीं है कि प्रधानमंत्री जी बोल रहे हैं और आप लोग खड़े होकर बीच में टोक रहे हैं।...(व्यवधान) एक संविधान है, चर्चा है तो प्रक्रिया है, पद्धति है, वह पद्धति अपनानी चाहिए।...(व्यवधान) कृपया, आप सुनिए।...(व्यवधान) हमें मालूम है।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** यह क्या हो रहा है?

...(व्यवधान)

**श्री एम. वैंकैय्या नायडू :** आपने भी तीस साल उनके साथ मिलकर राज किया।...(व्यवधान) उनके साथ मिलकर स्नेह किया।...(व्यवधान)

**श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) :** आप उनसे दोस्ती कर रहे हैं।...(व्यवधान)

**श्री एम. वैंकैय्या नायडू :** यह पद्धति नहीं है।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** यस, प्राइम मिनिस्टर जी। खड़गे जी, जरा आप अपने माननीय सदस्य को संभालिए। ऐसा नहीं होता है। आप दोनों भी ऐसे बैठे-बैठे मत बोलिए, क्या हुआ, आप थोड़ा तो समझिए।

...(व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** मेरा इस सदन के माननीय सदस्यों से आग्रह है कि आप समय आने पर अवश्य राजनीतिक टिप्पणियाँ करें। भारतीय जनता पार्टी वहाँ पर सरकार में हिस्सेदार है। इसके लिए आप उसकी भरपूर आलोचना भी करें, वह आपका हक भी है और होनी भी चाहिए। लेकिन हम ऐसा न करें कि देश की एकता के सम्बन्ध में हमारे भिन्न स्वर हैं, यह मैसेज न दुनिया में जाना चाहिए, न कश्मीर में जाना चाहिए और न देश में जाना चाहिए।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** फिर वही बात।

...(व्यवधान)

**श्री नरेन्द्र मोदी :** इसलिए मैं इस सदन को और पूरे देश को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि यह सरकार ऐसी किसी भी हरकतों को स्वीकार नहीं करती है। देश की एकता और अखंडता के साथ कोई समझौता हमें मंज़ूर नहीं है। संविधान की मर्यादाओं में ही कदम उठाए जाते हैं और आगे भी उठाए जाएँगे, यह मैं इस सदन को विश्वास दिलाता हूँ।

दूसरी बात कही गई कि मोदी जी चुप क्यों हैं। मैंने उस सदन में भी इस विषय पर विस्तार से अपनी बात कही थी। इसलिए ऐसा कोई कारण नहीं है कि हमें चुप रहना पड़े। हम इन विषयों में वे लोग हैं, जिन्होंने इन्हीं आदर्शों के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी को बलि दिया है। इसलिए कृपा करके हमें देशभक्ति मत सिखाएँ। ...(व्यवधान)

मैं आपको कहना चाहता हूँ कि हमने कुछ बातों का क्लैरिफिकेशन मांगा है। जैसे माननीय गृह मंत्री जी ने कहा, वह क्लैरिफिकेशन आने के बाद वह जानकारी भी सदन को दी जाएगी। इसलिए मैं एक बार फिर सदन को कहता हूँ कि यह आक्रोश किसी दल का नहीं है, यह आक्रोश देश का है। यह आक्रोश उस बैंच का और इस बैंच का नहीं है, यह आक्रोश पूरे सदन का है। हम एक स्वर से अलगाववादी ताकतों के खिलाफ, अलगाववाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ, और कानून का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ अपना आक्रोश अभिव्यक्त करते हैं और आने वाले दिनों में सदन जो एकता और अखंडता के लिए प्रतिबद्ध है, उसके लिए जो भी आवश्यक कदम उठाने होंगे, यह सरकार उठाएगी। ...(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Madam, it has never been the practice. Please go to the other issue. … (*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** आप सब प्लीज़ बैठिये।

...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप क्या कहना चाहते हैं?

...(व्यवधान)

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे:** अध्यक्ष महोदया, ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर ने कहा कि वहाँ जम्मू-कश्मीर में क्या हो रहा है, वह हमको भी पता नहीं है, हमको भी पूछ नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहाँ पर जो कर रहे हैं, उसके बारे में कोई मालूमात भी हमारे पास नहीं है। इसलिए जो उनको छोड़ रहे हैं और डिसीज़न ले रहे हैं ...(व्यवधान)